राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

सेना की सेवा करेंगे धौनी, नहीं जाएंगे वेस्टइंडीज

>> 12

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 41

मूल्य ₹6 .00, नई दिल्ली, रविवार, 21 जुलाई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

जांबाजों को सलाम

बेटा जंग में शहीद हुआ तो पोते को भेज दिया सेना में

सांबा : शंकर सिंह के बेटे लखविंदर सिंह ने 1999 में टाइगर हिल पर दुश्मन से लोहा लेते हुई वीरगति पाई थी। लखविंदर सिख रेजीमेंट में तैनात थे। आज शहीद लखविंदर सिंह का बड़ा बेटा सतविंदर सिंह इसी रेजीमेंट में अपनी सेवाएं दे रहा है और छोटा बेटा सेना में भर्ती होने की तैयारी में है। पेज 13

सरोकार

पता है सांसें चंद दिन की हैं, इसलिए खुश रहते हैं हर पल

जबलपुर : एक खास गीत विराट हॉस्पिस में प्रतिदिन सुनाया जाता है और हर पल आखिरी

सांसें गिन रहे कैंसर के मरीजों में नई ऊर्जा भर देता है। विराट हॉस्पिस जबलपुर शहर से 10 किमी दूर गोपालपुर में स्थित है। यहां कैंसर के आखिरी चरण में पहुंच चुके ऐसे मरीज रहते हैं, जिन्हें परिजन देखभाल के लिए छोड़ जाते हैं। (पेज-5)

रविवार विशेष

म्यूट हुई तो क्या, क्यूट है अपनी जिंदगी

नई दिल्ली : बोल-सुन नहीं सकते, पर खामोशी इन्हें मंजूर नहीं... । बुलंद हौसले

के बूते उम्मीदों का आसमां छू रहे उन युवाओं की कहानी, जिन्हें खुद को म्यूट एंड डीफ(मूक-बधिर) कहलाना गवारा नहीं। जिंदगी इनके लिए म्यूट नहीं, क्यूट (प्यारी) है। (पेज-13)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

आखिरकार कैप्टन अमरिंदर की टीम से सिद्धू आउट

चंडीगढ़ : पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने नवजोत सिंह सिद्धू को टीम से बाहर कर दिया। उन्होंने सिद्धू का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। राज्यपाल वीपी सिंह बदनौर ने भी मुहर लगा दी। इसके साथ डेढ़ महीने से जारी अनिश्चितता भी खत्म हो गई। सिद्धू को दिया गया ऊर्जा विभाग सीएम के पास ही रहेगा। अमरिंदर ने दिल्ली में कहा था कि उनकी गैरहाजिरी में चंडीगढ़ निवास स्थान पर पहुंचे सिद्धू के इस्तीफे पर वह सभी तथ्य देखने के बाद फैसला लेंगे।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

अमेरिका बोला, आतंक पर दिखावा बंद करे पाकिस्तान

वाशिंगटन : मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद की गिरफ्तारी समेत आतंकी संगठनों के खिलाफ पाकिस्तान की कार्रवाई से अमेरिका संतुष्ट नहीं दिख रहा है। ह्वाइट हाउस ने इस्लामाबाद से साफ शब्दों में कहा कि सिर्फ दिखावा न करे, बल्कि यह सुनिश्चित करे कि इस तरह की कार्रवाई निरंतर होती रहे। अमेरिका का यह सख्त संदेश ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान रविवार को अमेरिका के दौरे पर रवाना होने वाले हैं। वह सोमवार को ह्वाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

ईरान ने पकड़ा ब्रिटेन का तेल टैंकर, 18 भारतीय बंधक

- खाड़ी में और बढ़ा तनाव, विदेश मंत्रालय ने कहा-संपर्क में है मिशन
- ब्रिटिश टैंकर के ईरानी नौका से टकराने का आरोप, जहाज बांदर अब्बास ले जाया गया

लंदन, एजेंसियां : ईरान की सेना ने ब्रिटेन के एक तेल टैंकर को होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) में पकड़ लिया है। इसे लेकर खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। ब्रिटेन ने इस मामले के खतरनाक मोड़ पर जाने की ईरान को चेतावनी दी है, तो ईरान ने अपने एक सुपर टैंकर के कब्जे पर इसे अपनी जवाबी कार्रवाई बताया है। जबकि अमेरिका ने ऑपरेशन सेंटीनल के नाम से मध्य-पूर्व में अमेरिकी नेतृत्व में कई देशों की सतर्कता बढ़ाने का एलान किया है। भारत के लिए इस मामले में सबसे बड़ी परेशानी यह है कि जहाज पर बंधक चालक दल के 23 सदस्यों में 18 भारतीय हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने उन्हें वहां से सुरक्षित निकालने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

होर्मुज स्ट्रेट के अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में ईरान के दो विदेशी तेल टैंकरों पर कब्जा करने के बाद से खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। इनमें से शुक्रवार की रात को कब्जे में लिया गया एक टैंकर ब्रिटेन का है जबकि दूसरा लाइबेरिया का है। स्टेना इंपरो नामक ब्रिटिश तेल टैंकर पर मौजूद

ईरान के बांदर अब्बास बंदरगाह पर खड़ा ब्रिटिश तेल टैंकर स्टेना इंपरो। एएफपी

चालक दल के 23 सदस्यों में पांच अन्य सदस्य रूस, फिलीपींस, लातविया और अन्य देशों के हैं। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने बताया कि हमारा मिशन ईरान की सरकार के साथ संपर्क में है। ईरान में बंधक 18 भारतीयों को जल्द छुड़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी ईरना के अनुसार होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी फौज रिवोल्यूशनरी गार्ड ने ब्रिटिश टैंकर के मछली पकड़ने वाली ईरानी नौका से टकराने का आरोप लगाते हुए उसे अपने कब्जे में ले लिया। ईरानी प्रशासन का कहना है कि तेल टैंकर को चालक दल के सभी सदस्यों समेत ईरानी बंदरगाह बांदर अब्बास ले जाया गया है। ईरान सरकार की प्रमुख परिषद के प्रवक्ता ने ब्रिटिश तेल टैंकर को जब्त करने को जवाबी कार्रवाई बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वाजिब ठहराया है। ब्रिटिश जहाज स्टेना इंपरो का संचालन कर रही स्वीडिश शिपिंग कंपनी स्टेना बल्क ने कहा कि टैंकर के होर्मुज स्ट्रेट को पार करने के दौरान जब जहाज अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में था, तभी अज्ञात छोटी नावों और एक हेलीकाप्टर ने उससे संपर्क किया था। कंपनी अपने चालक दल के सदस्यों से मुलाकात के लिए ईरान से औपचारिक अपील करेगी। ईरान की सेना ने कहा है कि जहाज को अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का पालन न करने के कारण जब्त किया गया।

ईरान में होने लगी डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत की सुगबुगाहट पेज>>11

ब्रिटेन ने अपने जहाजों के होर्मुज जाने पर लगाई पाबंदी

होर्मुज स्ट्रेट के घटनाक्रम पर ब्रिटेन समेत कई पश्चिमी देशों ने गहरी चिंता जताई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेरेमी हंट ने इसे नाकाबिले बर्दाश्त बताते हुए कहा कि वह ऐसी घटनाओं से बहुत चिंतित हैं। हंट ने एक आपात बैठक कर मौजूदा स्थिति की समीक्षा की और जहाज रिहा कराने के उपायों पर विचार किया। हंट अगले सप्ताहांत एक और बैठक करके अपने अंतरराष्ट्रीय साझीदारों के संपर्क में रहेंगे। ब्रिटेन के विदेश विभाग ने ईरान के राजनयिक को तलब करके इस मामले पर फटकारा है। ब्रिटेन ने अपने जहाजों को कुछ समय के लिए होर्मुज स्ट्रेट जाने से रोका भी है।

जर्मनी और फ्रांस ने की जहाज छोड़ने की अपील

जर्मनी और फ्रांस ने ईरान से ब्रिटिश जहाज स्टेना इंपरो को छोड़ने की अपील की है। जर्मनी ने अपने बयान में कहा है कि जहाज पर कब्जे से क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा। जबकि अमेरिकी मध्य कमांड ने एक बयान जारी करके कहा है कि वह मध्य-पूर्व में कई देशों की सेना खड़ी करने जा रहा है। ताकि अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट, ओमान की खाड़ी जैसे जल क्षेत्र में निगरानी और सुरक्षा बढ़ाई जा सके। अरब खाड़ी क्षेत्र के ताजा माहौल को देखते हुए अमेरिकी सेना का यह बयान बेहद अहम माना जा रहा है।

हल होने वाला है कश्मीर का मसला

बड़ी बात ▶ रक्षामंत्री ने कहा- पाक के एजेंडे वाली आजादी किसी को मंजूर नहीं होगी

कोई बातचीत करे या न करे, कश्मीर मसले का समाधान होकर रहेगा

नवीन नवाज, सांबा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को साफ शब्दों में कहा कि कश्मीर मसला सुलझने वाला है। उन्होंने हुर्रियत और पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि कोई बातचीत करे या न करे, कश्मीर मसले का समाधान होगा। यह कैसे होगा और क्या होगा, हम अच्छी तरह से जानते हैं। इस दिशा में काम हो रहा है। दुनिया की कोई भी ताकत हमें नहीं रोक सकती। मैं आज यहां ऐसे ही नहीं बोल रहा हूं। बहुत सोच समझ कर बोल रहा हूं, लेकिन बस आप लोगों का सहयोग चाहिए। राजनाथ जम्मू संभाग के सांबा जिले में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के जीरो प्वाइंट से मात्र डेढ़ किलोमीटर पहले बसंतर दरिया पर बने बसंतर पुल और कठुआ के पंडोरी स्थित उज्ज दरिया पर बने पुल को जनता को समर्पित करने के बाद बोल रहे थे।

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि यहां जो आजादी की रट लगाते हैं, उन्हें खुद पता नहीं है कि उन्हें कैसे आजादी चाहिए। क्या वह पाकिस्तान के एजेंडे वाली आजादी चाहते हैं। जो लोग चाहते हैं कि मसला हल हो, मैं उनसे कहूंगा कि वह एक बार मामले को अच्छी तरह समझें, ताकि इसका निदान हो सके। लेकिन जो नारा वह दे रहे हैं।

कठुआ के पंडोरी गांव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 50 करोड़ की लागत से बने पुल का उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह सहित सेना और प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। जागरण

अगर वह पाकिस्तान के एजेंडे वाली आजादी की बात करते हैं तो यह आजादी किसी को कुबूल नहीं होगी।

हमने दी थी बातचीत की दावत पर सभी ने अनसुना कर दिया : राजनाथ सिंह ने कहा कि जब मैं गृह मंत्री था तो मैंने कश्मीर मसले पर सभी संबंधित पक्षों से बातचीत की प्रक्रिया बहाल करने का पूरा प्रयास किया। मैंने सभी को दावत दी। मैंने स्थानीय दलों और नेताओं से भी कहा कि वह इसमें सहयोग करें। राष्ट्रीय नेताओं से भी कहा कि वह भी कश्मीर में अपने संपर्क और प्रभाव का इस्तेमाल कर सकते हैं। हमारे तीन वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री भी कश्मीर में समस्या के समाधान के लिए वहां के नेताओं से बातचीत करने के लिए गए थे, लेकिन हमारी बात को अनसुना कर दिया गया।

जम्मू कश्मीर को जन्नत बनाएंगे : रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर पूरे देश के लिए विशेष है। जम्मू कश्मीर को हम देश का एक ऐसा राज्य बनाना चाहते हैं, ऐसी जन्नत बनाना चाहते हैं, जहां दुनियाभर के पर्यटक आएं। यहां सुख-समृद्धि-शांति और विश्वास का माहौल हो, यही हमारा मकसद है।

कश्मीर के युवा केवल राज्य ही नहीं, पूरे भारत का भविष्य : राजनाथ सिंह ने कहा कि हम जम्मू कश्मीर को एक विकसित राज्य बनाना चाहते हैं। मैं यहां के युवाओं को सिर्फ राज्य का नहीं, पूरे भारत का भविष्य मानता हूं। यह युवक एक सशक्त और स्वालंबी भारत के निर्माण में पूरा सहयोग करते हुए देश और अपना भविष्य सुखद बनाएं। लेकिन यहां कुछ तत्व हैं जो नहीं चाहते कि यहां का नौजवान राष्ट्र निर्माण में हिस्सा बनें। रक्षा मंत्री ने देश में जारी सामाजिक-आर्थिक विकास की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जब तक जनता के पास बुनियादी सुविधाएं नहीं होंगी, हम आगे नहीं बढ़ सकते। अगर हमें 2030 तक दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना है तो हमें बुनियादी ढांचे में तेजी से विकास करना होगा।

सेना के प्रयास को भी सराहा : राजनाथ ने कहा कि कश्मीर को आतंकियों ने नर्क बना दिया है, लेकिन हमारी सेना ने इन कठिन परिस्थितियों में भी अपनी ड्यूटी को अंजाम देकर कश्मीर के हालात को सामान्य बनाने में पूरा प्रयास किया है। इससे कश्मीर को फिर से जन्नत बनाने के प्रयास सफल होंगे।

> कश्मीर समस्या का समाधान कैसे होगा और क्या होगा, यह हम अच्छी तरह से जानते हैं। इस दिशा में काम हो रहा है। दुनिया की कोई भी ताकत हमें नहीं रोक सकती।
> - राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

खत्म हुआ सोनभद्र का सियासी ड्रामा

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में शनिवार को चुनार गेस्ट हाउस में सोनभद्र नरसंहार के पीड़ितों से मुलाकात के दौरान उनकी आपबीती सुन कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा रो पड़ीं। जागरण

प्रशासन बैकफुट पर

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र नरसंहार को लेकर शनिवार को मीरजापुर से वाराणसी तक घमासान रहा। चुनार गेस्ट हाउस में प्रियंका गांधी वाड्रा के अनशन की चेतावनी और कांग्रेस के बड़े नेताओं के वहां कूच करने से शासन-प्रशासन बैकफुट पर आ गया और धरना स्थल पर आए पीड़ितों को प्रियंका से मिलवाया गया।

गेस्टहाउस में चला धरना

सुबह जब पीड़ितों को प्रियंका से मिलने से रोका गया तो चुनार गेस्ट हाउस परिसर में वह अनशन पर बैठ गईं। इससे अफसरों ने लखनऊ संपर्क किया और अंततः पीड़ितों की प्रियंका से मुलाकात कराई गई। इसके बाद बिना किसी शर्त या मुचलका के प्रियंका को मीरजापुर से जाने दिया गया। (पूरी खबर पेज-5 पर)

> मैं पीड़ितों के आंसू पोंछने आई थी और संवेदनहीन योगी सरकार ने पूरे मामले को राजनीतिक रंग दे दिया। कांग्रेस मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख रुपये देगी और वनवासियों के हक की लड़ाई भी लड़ेगी।
> - प्रियंका वाड्रा, कांग्रेस महासचिव

दिल्ली की पूर्व सीएम शीला दीक्षित का निधन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- दिल का दौरा पड़ने पर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स में कराया गया था भर्ती
- पीएम, सोनिया ने जताया दुख, दिल्ली में दो दिन का राजकीय शोक

दिल्ली में डेढ़ दशक तक मुख्यमंत्री रहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित का दिल का दौरा पड़ने से शनिवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष की थीं और लंबे समय से दिल की बीमारी से पीड़ित थीं। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट में अपराह्न 3:55 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर रविवार दोपहर 12 बजे 24 अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। दोपहर करीब ढाई बजे निगम बोध घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि दिल्ली के विकास में उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया है। संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने उनके निधन पर

पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की फाइल फोटो।

शोक जाहिर किया है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के चेयरमैन डॉ. अशोक सेठ ने कहा कि शीला दीक्षित को सुबह गंभीर रूप से दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल लाया गया था। उस वक्त वह बेहोश थीं। उन्हें तुरंत आइसीयू में भर्ती कर उपचार किया गया और वेंटिलेटर पर रखा गया। इससे उनकी हालत स्थिर हो गई, लेकिन तीन बजे उन्हें दोबारा दिल का दौरा पड़ा। उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। वर्ष 2001 में उनकी बाईपास सर्जरी की गई थी। इसके कुछ साल बाद एंजियोप्लास्टी भी की गई थी। पिछले साल उनके दिल के वॉल्व में खराबी आने से रिसाव होने लगा था। इस वजह से अक्टूबर में फ्रांस में उनकी सर्जरी कर वॉल्व बदला गया था। शीला का पार्थिव शरीर शाम 5:26 बजे निजामुद्दीन स्थित उनके निवास स्थान पर रखा गया। यहां पीएम नरेंद्र मोदी, सोनिया गांधी, कांग्रेस नेता अहमद पटेल, भाजपा नेता विजय गोयल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेता सीताराम येचुरी सहित कई नेताओं ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

लगातार तीन बार रहीं मुख्यमंत्री पेज>>2

जिस पुलिस अफसर को मेरा फैसला पसंद नहीं वह केंद्र में जाने के लिए आजाद : अमरिंदर

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- एडीजीपी सिद्धू को फिर एसटीएफ चीफ बनाने से पुलिस अफसरों में नाराजगी पर पंजाब के सीएम का सख्त रुख

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) में एडीजीपी हरप्रीत सिंह सिद्धू की दोबारा नियुक्ति को लेकर पुलिस अधिकारियों में नाखुशी पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने दो टूक कह दिया है कि जो अधिकारी उनके फैसले से सहमत नहीं हैं वे पंजाब छोड़कर केंद्र में डेपुटेशन (प्रतिनियुक्ति) पर जा सकते हैं। पुलिस फोर्स में किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गृह विभाग भी संभाल रहे मुख्यमंत्री ने कहा कि किस अफसर को कहां नियुक्त करना है, यह उनका अधिकार क्षेत्र है। वह अपने फैसले को नहीं बदलेंगे।

इसलिए सख्त होना पड़ा सीएम को : यह सभी जानते हैं कि हरप्रीत सिद्धू के मौजूदा डीजीपी दिनकर गुप्ता के साथ रिश्ते मधुर नहीं है। जब गुप्ता इंटेजिलेंस चीफ थे तो सिद्धू ने इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह को ड्रग तस्करी में पकड़ा था जिसके जरिए मोगा के पूर्व एसएसपी राजजीत सिंह पर हाथ डाला। सिद्धू की इस कार्रवाई से पुलिस दोफाड़ होती नजर आई। दरअसल जब एसटीएफ बनाई गई थी तो उसकी जवाबदेही सीधे मुख्यमंत्री को थी, लेकिन बाद में उसे डीजीपी के अधीन कर दिया गया। पुलिस विभाग में फिर से गुटबाजी न बढ़े, इसलिए सीएम ने सख्त चेतावनी दी है।

हरप्रीत सिद्धू ने कई पुलिस अधिकारियों की संपत्ति भी सार्वजनिक करने की बात कही। उनकी इस कार्रवाई के चलते उन्हें एसटीएफ से हटाकर मुख्यमंत्री कार्यालय में स्पेशल चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी बनाया गया, जिसको लेकर वह खासे निराश थे। अब जब उन्हें फिर से एसटीएफ की कमान सौंपी गई तो कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस पर नाराजगी व्यक्त की। कहा जा रहा है कि सिद्धू को लेकर नाराजगी केवल मौखिक रूप से ही व्यक्त की गई। किसी भी पुलिस अधिकारी ने लिखित में कोई शिकायत नहीं दी है।

> पंजाब से नशा खत्म करना मेरी प्राथमिकता है। केंद्र से नेशनल ड्रग पॉलिसी बनाने के लिए भी कहा है। पंजाब सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां सीमा पार से नशा तस्करी होती है।
> - कैप्टन अमरिंदर सिंह, पंजाब के मुख्यमंत्री

बढ़ी ताकत

राजस्थान के पोखरण रेंज में टैंक रोधी नाग मिसाइल के सफल परीक्षण ने भारत को दिलाई पाकिस्तान के मुकाबले एक और बढ़त। साल के अंत तक शुरू हो जाएगा इसका उत्पादन...

'नाग' पल भर में तबाह कर देगा दुश्मन के टैंक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तीसरी पीढ़ी की टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल 'नाग' के पोखरण फायरिंग रेंज में सफल परीक्षण के साथ ही इसके सेना में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। रक्षा मंत्रालय ने कठोर परीक्षणों के बाद 'नाग' मिसाइलों को शामिल करने की जरूरत को स्वीकार्यता प्रदान की है। डीआरडीओ की बनाई यह हल्की और कम दूरी की स्वदेशी मिसाइल दुश्मन के टैंकों को एक ही पल में तबाह करने में सक्षम है। इस साल के आखिर तक नाग मिसाइल का उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद भारतीय सेना को इससे लैस किया जाएगा।

मिसाइल नाग का ग्रीष्मकालीन परीक्षण पूरा होने के साथ अब इसके उत्पादन और सेना में इसके शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। युद्धक टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली का शीतकालीन परीक्षण फरवरी में ही संपन्न हो चुका है। एक आकलन के मुताबिक भारतीय सेना आठ हजार नाग मिसाइल खरीद सकती है। शुरुआती दौर में ही 500 नाग मिसाइलों का ऑर्डर दिया जाने वाला है। इस मिसाइल का निर्माण देश की सरकारी कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड (हैदराबाद) करेगी।

राजस्थान के जैसलमेर में शुक्रवार को पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में सेना ने एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग' का परीक्षण किया गया। तीसरी पीढ़ी की यह मिसाइल सभी मानकों पर पूरी तरह खरी उतरी। प्रेट्र

युद्ध के हालात में 'नाग' मिसाइल अपने आप में किसी योद्धा से कम नहीं है। यह मिसाइल सभी मौसम में दुश्मनों के पूरी तरह सुरक्षित युद्धक टैंकों को न्यूनतम 500 मीटर और अधिकतम चार किलोमीटर की दूरी से भेदने की क्षमता के साथ विकसित की गई है। थर्मल इमेज के जरिये यह मिसाइल अचूक निशाना साधती है और दुश्मन के टैंक का पीछा करते हुए उसे तबाह कर देती है। नाग मिसाइल वजन में इतनी हल्की है कि इसे आसानी से उपयोग में ला सकते हैं। इसे किसी ऊंची पहाड़ी पर या दूसरी किसी जगह पर मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री कॉम्बैट व्हीकल के जरिए ले जाना आसान है। इसका कुल वजन मात्र 42 किलो है। इसकी खासियत है कि यह दिन और रात दोनों समय दुश्मन पर वार कर सकती है। इस मिसाइल को 10 साल तक बिना किसी रखरखाव के इस्तेमाल किया जा सकता है। ये 230 मीटर प्रति सेकेंड की गति से अपने लक्ष्य पर निशाना साधती है।

500 मीटर कम से कम और अधिकतम चार किमी दूर भेदने की क्षमता

230 मीटर प्रति सेकेंड की गति से मिसाइल लगाएगी निशाना

पाक से मीलों आगे निकलेगा भारत : 'नाग' के भारतीय सेना में शामिल होने से भारत पाकिस्तान से मीलों आगे निकल जाएगा। भारत के मिसाइल परीक्षण के साथ-साथ पाक भी लगातार मिसाइल परीक्षण को धार दे रहा है। भारत अगर अग्नि, त्रिशूल, नाग, पृथ्वी का परीक्षण कर रहा है तो पाकिस्तान भी गौरी, शाहीन और कई खतरनाक मिसाइलों का परीक्षण कर रहा है, लेकिन सामरिक दृष्टि से देखें तो वर्तमान में भारत पाकिस्तान से काफी आगे है, क्योंकि भारत स्वदेशी मिसाइलों का उत्पादन करने में सक्षम है, जबकि पाक अब तक विदेशी हथियारों पर ही निर्भर है।

उन्मादी भीड़ की हिंसा के खिलाफ विधेयक संसद के इसी सत्र में

नई दिल्ली, आइएएनएस : उन्मादी भीड़ की हिंसा (मॉब लिंचिंग) के खिलाफ केंद्र सरकार संसद के इसी सत्र में विधेयक लाने जा रही है। एक साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को देश में बढ़ रही इस तरह की घटनाओं पर काबू पाने के लिए कानून लागू करने का निर्देश दिया था। सूत्रों के अनुसार, संसद के मौजूदा सत्र में ही केंद्र विधेयक पेश कर सकता है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अफवाह फैलने के बाद हिंसक उन्माद फैलने की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए गृह मंत्रालय ने कानून मंत्रालय से मसौदा तैयार करने को कहा था। मसौदा तैयार करने से पहले कानून मंत्रालय को सतर्कता पूर्वक सोशल मीडिया से घटनाओं के बढ़ने की जांच करने को कहा गया था। देश में सोशल मीडिया के कम से कम दो करोड़ यूजर हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लेख करते हुए एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को केंद्र से कहा था कि आखिर कानून लागू करने में देरी क्यों की जा रही है। लोकसभा में एआइएमआइएम प्रमुख ने कहा था, 'मैं गृह मंत्री (अमित शाह) से पूछना चाहूंगा कि आखिर उन्मादी भीड़ हिंसा पर कानून तैयार क्यों नहीं किया गया है? पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से उन्मादी भीड़ हिंसा पर कानून बनाने के लिए कहा था। यदि आप सुप्रीम कोर्ट के सभी आदेशों को कानून में बदलना चाहते हैं तो इसे क्यों नहीं?'

- एक साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को दिया था निर्देश, कानून मंत्रालय ने तैयार कर लिया है मसौदा

इस महीने उत्तर प्रदेश के विधि आयोग ने विधेयक का मसौदा पेश किया है जिसमें उन्मादी भीड़ हिंसा में शामिल लोगों के लिए उम्रकैद सहित कठोर दंड की सिफारिश की गई है। सूत्रों के अनुसार, कानून पुलिस को उन्मादी भीड़ हिंसा की घटनाओं में प्रभावी कार्रवाई करने के लिए बाध्य करेगा। इसके साथ ही सामाजिक सौहार्द के लिए खतरनाक सूचनाओं खास कर घृणा संदेश से भरे वीडियो का प्रसार रोकने के लिए पुलिस कठोर कार्रवाई कर सकेगी।